● सुनो, समझो और दोहराओ :

८. इनसे सीखो

–श्रीनाथ सिंह

जन्म : १९०१ **मृत्यु :** १९९६ **रचनाएँ :** नानी की संदूक, मक्खी की निगाह, शिशु, बालसखा आदि... **परिचय:** आपने 'सरस्वती' पत्रिका का संपादन किया है । दीदी और बालबोध जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन किया है ।

इस कविता में यह बताया है कि प्रकृति में पाई जाने वाली प्रत्येक वस्तु से कुछ-न-कुछ सीख मिलती है, जिसे ग्रहण करना आवश्यक है।

585084

अध्ययन कौशल

मधुमक्खी, कुत्ता, चींटी, गौरैया के चित्र बनाओ, इनमें से किसी एक पर चार काव्य पंक्तियाँ तैयार करो।

फूलों से नित हँसना सीखो, भौंरों से नित गाना ।

फल से लदी डालियों से, नित सीखो शीश झुकाना ।

सीख हवा के झोंकों से लो, कोमल भाव बहाना ।

दूध तथा पानी से सीखो, मिलना और मिलाना ।

सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना ।

लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना ।

❑ कविता का लय-ताल हाव भाव सहित सस्वर पाठ कराएँ एवं दोहरवाएँ । कविता एकल, गुट में तथा सामूहिक गवाएँ । प्रश्नोत्तर के माध्यम से कविता का आशय समझाएँ । प्रकृति के प्रत्येक घटक से कुछ-न-कुछ सीखने के भाव जागृत कराएँ ।

जरा सोचो तो ... लिखो

यदि रात ही न होती तो .....

वर्षा की बूँदों से सीखो, सबका हृदय जुड़ाना ।

मेहँदी से सीखो पिसकर भी, अपना रंग चढ़ाना ।

दीपक से सीखो, जितना हो सके अँधेरा हरना ।

पृथ्वी से सीखो, प्राणी की सच्ची सेवा करना ।

जलधारा से सीखो, आगे जीवन पथ में बढ़ना ।

और धुएँ से सीखो बच्चो, ऊँचे ही पर चढ़ना ।

सत्पुरुष के जीवन से, सीखो चरित्र निज गढ़ना ।

अपने गुरु से सीखो बच्चो, उत्तम विद्या पढ़ना ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

नित = नित्य, सदा
शीश = सिर
सत्पुरुष = सज्जन
निज = अपना
गढ़ना = बनाना

मुहावरे

शीश झुकाना = विनम्र होना

स्वयं अध्ययन

हवा, पानी, सूर्य की ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों की जानकारी इकट्ठा करो और लिखो ।

विचार मंथन

।। करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।।

सुनो तो जरा

चुटकुले, पहेलियाँ सुनो और किसी कार्यक्रम में सुनाओ ।

बताओ तो सही

अगर सारी दुनिया का कार्य सिर्फ दस मिनट के लिए थम जाए तो क्या होगा ?

वाचन जगत से

सूरदास का कोई एक पद पढ़ो और गाओ ।

मेरी कलम से

'दीपक' से संबंधित कविता लिखो ।

❊ कविता की निम्न पंक्तियों का सरल अर्थ लिखो ।

१. फल से लदी डालियों से, नित सीखो शीश झुकाना ।

२. पृथ्वी से सीखो, प्राणी की सच्ची सेवा करना ।

३. लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना ।

४. अपने गुरु से सीखो बच्चो, उत्तम विद्या पढ़ना ।

खोजबीन

इंद्रधनुष कैसे बनता है? जानो और चित्र बनाओ ।

सदैव ध्यान में रखो

दूसरों के काम आना ही सच्ची मानवता है ।

भाषा की ओर

चित्रों को देखकर नीचे दिए गए संवाद में उचित विराम चिह्न लगाओ ।

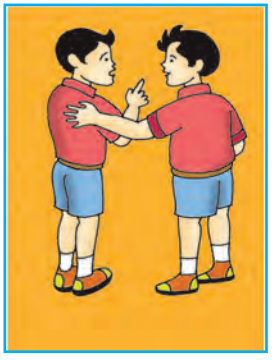

१) राजेश ☐ क्या तुम मेरी सहायता करोगे ☐

२) क्यों नहीं ☐ अरे ☐ तुम मेरे मित्र हो ☐

३) हाँ ☐ मुझे पता है ☐ परंतु तुम्हारा प्रकल्प कार्य भी तो तुम्हें पूरा करना है ☐

४) ☐ जहाँ चाह वहाँ राह ☐ आज ही तो हमने पढ़ा ☐

५) माँ भी कहती हैं ☐ नियमित अभ्यास से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है ☐

६) गुरु जी ☐ हमें परीक्षा के परिणाम कब मिलने वाले हैं ☐